वोस्त्रो खाते

प्रसंग

हाल ही में, सरकारी अधिकारियों ने सूचित किया कि रोसबैंक, टिंकॉफ बैंक, सेंट्रो क्रेडिट बैंक और मॉस्को के क्रेडिट बैंक सहित 20 रूसी बैंकों ने भारत में भागीदार बैंकों के साथ विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) खोले हैं।

वोस्त्रो खाते:

• वोस्ट्रो खाता, वह खाता है जो घरेलू बैंक विदेशी बैंकों का धन घरेलू मुद्रा में रखते हैं।

• SRVA:

- SRVA मौजूदा प्रणाली के लिए एक अतिरिक्त व्यवस्था है जो मुक्त रूप से परिवर्तनीय मुद्राओं का उपयोग करती है और एक मानार्थ प्रणाली के रूप में काम करती है।
- स्वतंत्र रूप से परिवर्तनीय मुद्राएं संबंधित देश के नियमों और विनियमों द्वारा अनुमत मुद्राओं को प्रमुख आरक्षित मुद्राओं (जैसे यू.एस. डॉलर या पाउंड स्टर्लिंग) में परिवर्तित करने के लिए संदर्भित करती हैं।
- इस प्रकार मौजूदा प्रणालियों को ऐसी मुद्राओं में संतुलन और स्थिति बनाए रखने की आवश्यकता होती है।

• ढांचे के घटक:

- ढांचे में तीन महत्वपूर्ण घटक शामिल हैं - चालान, विनिमय दर और निपटान।
- इनवॉइसिंग में यह शामिल है कि सभी निर्यात और आयात को INR में नामित और इनवॉइस किया जाना चाहिए।
- व्यापारिक साझेदार देशों की मुद्राओं के बीच विनिमय दर बाजार-निर्धारित होगी।
- अंतिम निपटान भारतीय राष्ट्रीय रुपये

• बैंकों के पात्रता मानदंड :

- भागीदार देशों के बैंकों को SRVA खोलने के लिए अधिकृत घरेलू डीलर बैंक से संपर्क करना आवश्यक है।
- घरेलू बैंक तब व्यवस्था का विवरण प्रदान करते हुए शीर्ष बैंकिंग नियामक से अनुमोदन प्राप्त करेगा।
- घरेलू बैंकों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि संपर्की बैंक उच्च जोखिम और गैर-सहकारी क्षेत्राधिकारों पर अद्यतन वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के सार्वजनिक वक्तव्य में उल्लिखित देश से नहीं है।
- घरेलू बैंकों को भी संबंधित बैंक से संबंधित वित्तीय मापदंडों को अवलोकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।
- अधिकृत बैंक एक ही देश के विभिन्न बैंकों के लिए कई SRV खाते खोल सकते हैं।
- सीमा पार लेनदेन की सभी रिपोर्टिंग विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार की जानी है।

महत्व :

- आर्थिक सर्वेक्षण (2022-23) ने तर्क दिया था कि ढांचा "चालू खाता संबंधित व्यापार प्रवाह के निपटान के लिए विशेष रूप से अमेरिकी डॉलर, विदेशी मुद्रा की शुद्ध मांग" को काफी हद तक कम कर सकता है।
- घरेलू बैंक इसका उपयोग अपने उन ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए करते हैं जिनकी वैश्विक बैंकिंग जरूरतें हैं।
- यह घरेलू बैंकों को विदेशी वित्तीय बाजारों तक व्यापक पहुंच प्राप्त करने में मदद करता है और विदेशों में भौतिक रूप से उपस्थित हुए बिना अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों की सेवा

(INR) में भी होता है।	करता है। ▪ लंबी अवधि में, यह INR को एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा के रूप में बढ़ावा देता है।

अति मत्स्यन तथा प्रदूषण से उच्च समुद्रो का रक्षण

प्रसंग

ऊंचे समुद्र दुनिया के महासागरों के 60% से अधिक भाग का निर्माण करते हैं। परन्तु तटीय जल की तुलना में इनपर बहुत कम ध्यान दिया जाता है । संयुक्त राष्ट्र इन समुद्रो की रक्षा हेतु एक वैश्विक संधि में करना चाहता है।

मुख्य विशेषताएं:

- दुनिया के महासागरों के बड़े हिस्से में संरक्षण एक महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है, ध्यातव्य है कि यहाँ कोई कानून या नियंत्रण नहीं है।
- हालांकि उच्च समुद्र पृथ्वी की सतह के आधे से अधिक और सभी महासागरों का 61% हिस्सा बनाते हैं, परन्तु इनका मात्र 1% भाग अंतर्राष्ट्रीय जल संरक्षण में हैं।
- अपर्याप्त निगरानी और असंगत अभियोजन विधियों के कारण अवैध मछली पकड़ने, अत्यधिक मछली पकड़ने, गहरे समुद्र में खनन और ड्रिलिंग के खिलाफ नियमों को लागू करना अत्यंत दुष्कर हो रहा है।
- 51 देशों के सरकारी प्रतिनिधि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में उच्च समुद्र संधि पर बातचीत करने की वकालत कर रहे हैं।
- संधि वर्षों से काम कर रही है और माना जाता है कि यह प्रजातियों की रक्षा करती है और महासागरों के संसाधनों को एक स्थायी तरीके से आवंटित करती है

स्वस्थ पानी के नीचे की दुनिया का महत्व:

- न केवल तटीय समुदाय समुद्री संसाधनों पर निर्भर हैं, बल्कि दुनिया भर में लगभग तीन अरब लोग उन पर निर्भर हैं।
- पूरे समुद्री उद्योग का मूल्य $3 ट्रिलियन (€2.8

जलवायु परिवर्तन- महासागरों के लिए तनावपूर्ण:

- समुद्र पृथ्वी के वातावरण को बनाए रखने में दोहरी भूमिका निभाता है:
  - यह दुनिया के 50% से अधिक ऑक्सीजन उत्पन्न करता है।
  - और वर्तमान वायुमंडलीय स्तरों की तुलना में 50 गुना अधिक कार्बन डाइऑक्साइड संग्रहीत करता है।
- महासागर जितना अधिक गर्म होता है, उतना ही कम CO_2 संग्रहित कर सकता है।
- यह एक दुष्चक्र है: यह जितना गर्म होता है, हमारे महासागर ग्रह को और भी अधिक चरम मौसम की घटनाओं से बचाने की क्षमता कम होती है।
- वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मुख्य रूप से समुद्र के अम्लीकरण के कारण तापमान में वृद्धि जारी रहने पर मसल्स और घोंघे सहित कई शेलफिश जीवित नहीं रह सकती हैं।
- वातावरण में बढ़ते तापमान कोयले, तेल और गैस के जलने से के कारण महासागरीय धाराएं बदल जाती हैं।

क्या कोई नई संधि सहायक होगी ?

- संयुक्त राष्ट्र के पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ महासागरों के विनाश को रोकने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक हैं।
- हाल के वर्षों में, तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए कई संधियों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, और उनमें से कुछ

ट्रिलियन) है - जो कि दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का 5% है।

- समुद्र तट पर्यटकों और मछुआरों के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, यह वस्तुओं, दवा, और टिकाऊ तरंग और ज्वारीय ऊर्जा भी प्रदान करता है, उदाहरण के लिए:-
    - ल्यूकेमिया से लड़ने के लिए उपयोग किए जाने वाले कुछ एजेंट कैरेबियन के पानी में पाए जाने वाले टेक्टिथेथ्या क्रिप्टा नामक उथले पानी के स्पंज से प्राप्त होते हैं।
    - मछली खाने वाले समुद्री घोंघा कॉनस मैगस के जहर का उपयोग एक प्रभावी दर्दनिवारक विकसित करने के लिए किया जा रहा है।

ने पहले ही पर्यावरण के लिए सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

- यूरोपीय संघ प्रजातियों के संरक्षण और ऐतिहासिक 2022 कुनमिंग-मॉन्ट्रियल ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन के लिए एक महत्वाकांक्षी नई संधि पर जोर दे रहा है।
- इस ऐतिहासिक समझौते का एक हिस्सा 2030 तक दुनिया के 30% हिस्से को सुरक्षा में रखना है।
- • इस बीच, 18 विकासशील और उभरते हुए देश एक ऐसे तंत्र की शुरूआत पर जोर दे रहे हैं जो समुद्री संसाधनों के उचित वितरण की गारंटी देता है।

संक्षिप्त सुर्खियां

NEW START

प्रसंग

हाल ही में, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने राष्ट्र के नाम एक संबोधन में घोषणा की कि रूस न्यू START में अपनी भागीदारी को निलंबित कर रहा है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अंतिम शेष प्रमुख सैन्य समझौता है।

मुख्य विशेषताएं:

- START नाम मूल "सामरिक शस्त्र न्यूनीकरण संधि" से आया है, जिसे START-I के नाम से जाना जाता है।
- 1991 में अमेरिका और तत्कालीन USSR के बीच START-I पर हस्ताक्षर किए गए थे, और यह संधि 1994 में लागू हुआ।
- START-I ने परमाणु हथियारों और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (ICBMs) की संख्या को सीमित कर दिया, जिन्हें प्रत्येक पक्ष क्रमशः 6,000 और 1,600 पर तैनात कर सकता है।
- यह 2009 में समाप्त हो गया था, और पहले रणनीतिक आक्रामक कटौती संधि (SORT, जिसे मास्को की संधि के रूप में भी जाना जाता है) और फिर नई START संधि द्वारा द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था, ।
- नई START, आधिकारिक तौर पर, "सामरिक आक्रामक शस्त्रों की और कमी और सीमा के लिए उपायों पर संयुक्त राज्य अमेरिका और रूसी संघ के

	बीच संधि" के रूप में जानी जाती है । • यह 5 फरवरी, 2011 को लागू हुआ, और इसकी पुष्टि करने योग्य नई सीमाएँ निर्धारित की गईं। • • दोनों देशों को 5 फरवरी, 2018 तक सामरिक आक्रामक हथियारों पर संधि की केंद्रीय सीमाओं को पूरा करना था, और फिर संधि के लागू रहने की अवधि के लिए उन सीमाओं के भीतर रहना था। अमेरिका और रूस संघ बाद में 4 फरवरी, 2026 तक संधि का विस्तार करने पर सहमत हुए।
बाईसवाँ विधि आयोग 	**प्रसंग** माननीय प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 31 अगस्त, 2024 तक भारत के 22वें विधि आयोग के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी दी। **भारत के विधि आयोग के बारे में:** • भारत का विधि आयोग एक गैर-सांविधिक निकाय है, जिसका गठन भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किया जाता है। • आयोग मूल रूप से 1955 में गठित किया गया था और समय-समय पर इसका पुनर्गठन किया जाता है। • विधि आयोग की संरचना में शामिल हैं: ▪ एक पूर्णकालिक अध्यक्ष। ▪ चार पूर्णकालिक सदस्य (सदस्य-सचिव सहित)। ▪ सचिव, कानूनी मामलों का विभाग पदेन सदस्य के रूप में। ▪ सचिव, विधायी विभाग पदेन सदस्य के रूप में। ▪ पांच से अधिक अंशकालिक सदस्य नहीं। • विधि आयोग ने अब तक 277 रिपोर्ट प्रस्तुत करके देश के कानूनों को आगे बढ़ाने और व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
व्हेल स्ट्रैंडिंग 	**प्रसंग** हाल ही में, श्रीलंका के पश्चिमी तट पर स्थित एक शहर कल्पितिया के तट के पास 14 पायलट व्हेल फंसी हुई थीं। **मुख्य विशेषताएं:** • यह "हिंद महासागर में हाल की भूकंपीय गतिविधि" के कारण हो सकता है। • 2020 में, देश हाल के इतिहास में सबसे बड़ी व्हेल स्ट्रैंडिंग में से एक का गवाह बना, जब 100 से अधिक पायलट व्हेल पनादुरा के पश्चिमी तट पर समुद्र तट पर आ गईं। • ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया में भी व्हेलों का सामूहिक समुद्र तट देखा गया है।

	<u>व्हेल स्ट्रैंडिंग के बारे में:</u>
	• व्हेल का फँसना एक ऐसी घटना है जिसमें व्हेल जमीन आमतौर पर एक समुद्र तट पर फंस जाती है, ।
	• डॉल्फ़िन और पोरपोइज़ जैसे अन्य जलीय जंतु भी समुद्र तट के लिए जाने जाते हैं।
	• अधिकांश फंसे हुए घटनाओं में एकल जानवर शामिल होते हैं लेकिन कभी-कभी, एक समय में सैकड़ों समुद्री जानवरों से मिलकर बड़े पैमाने पर फंसे हो सकते हैं।
	• कारण: बड़े पैमाने पर फंसे होने के कई कारण हैं, जिनमें क्षेत्र की स्थलाकृति, बीमारी, मानवीय गतिविधियां और महासागरों में बढ़ता ध्वनि प्रदूषण शामिल है।
	  ▪ ध्वनि प्रदूषण व्हेल और अन्य समुद्री जानवरों की नेविगेट करने, भोजन खोजने और खुद को बचाने के लिए ध्वनि का उपयोग करने की क्षमता को प्रभावित करता है।
	  ▪ यह उन्हें बहरा कर, भटका कर, या डरा कर किनारे पर ले जा सकता है।
	  ▪ महासागरों का बढ़ता तापमान शिकार और परभक्षी वितरण में परिवर्तन का कारण बनता है, जिसके परिणामस्वरूप व्हेल तट के करीब आती हैं।

आरपीए, 1951 के तहत भ्रष्ट आचरण '	**<u>प्रसंग</u>** 20 फरवरी को, सर्वोच्च न्यायालय ने पाया कि एक चुनावी उम्मीदवार की योग्यता के बारे में गलत जानकारी प्रदान करने को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (2) और धारा 123 (4) के तहत "भ्रष्ट अभ्यास" नहीं माना जा सकता है। SC ने कहा कि भारत में कोई भी उम्मीदवार को उसकी शैक्षिक योग्यता के आधार पर वोट नहीं देता है। **<u>भ्रष्ट आचरण 'आरपीए, 1951 के तहत:</u>** • अधिनियम की धारा 123 'भ्रष्ट प्रथाओं' को परिभाषित करती है। • इसमें चुनाव में अपनी संभावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए रिश्वतखोरी, अनुचित प्रभाव, झूठी सूचना, और "धर्म, नस्ल, जाति, समुदाय, या भाषा के आधार पर भारत के नागरिकों के विभिन्न वर्गों के बीच शत्रुता या घृणा की भावना" को बढ़ावा देने का प्रयास शामिल है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	• धारा 123 (2) 'अनुचित प्रभाव' से संबंधित है। • यह "उम्मीदवार या उसके एजेंट, या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से, उम्मीदवार या उसके चुनाव एजेंट की सहमति से, किसी भी चुनावी अधिकार के मुक्त प्रयोग के साथ कोई भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप या हस्तक्षेप करने का प्रयास है।" • इसमें शारीरिक क्षति ,सामाजिक बहिष्कार और किसी भी जाति या जाति से निष्कासन भी शामिल हो सकता है • इसके अलावा, एक उम्मीदवार या एक निर्वाचक को यह विश्वास दिलाना कि वे "ईश्वरीय नाराजगी या आध्यात्मिक निंदा के पात्र" बन जाएंगे, को भी "ऐसे उम्मीदवार या मतदाता के चुनावी अधिकार के मुक्त प्रयोग के साथ" एक हस्तक्षेप माना जाएगा। • धारा 123 (4) झूठे बयानों के जानबूझकर प्रकाशन के लिए "भ्रष्ट प्रथाओं" के दायरे का विस्तार करती है जो उम्मीदवार के चुनाव के परिणाम को प्रभावित कर सकती है।
संसद रत्न पुरस्कार 	**<u>प्रसंग</u>** प्रधान मंत्री ने संसद के उन साथी सदस्यों को बधाई दी जिन्हें संसद रत्न पुरस्कार 2023पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा । **<u>संसद रत्न पुरस्कारों के बारे में:</u>** • संसद रत्न पुरस्कारों की स्थापना 2010 में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की शिक्षाओं से प्रेरित होकर की गई थी, जिन्होंने पुरस्कार का पहला संस्करण लॉन्च किया था। • वे शीर्ष विधायी निकाय में अपने काम के आधार पर संसद के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को पहचानना और सम्मानित करना चाहते हैं। • निर्णय जिन कारकों पर आधारित होता है उनमें पूछे गए प्रश्न, पेश किए गए निजी सदस्यों के बिल, बहसें, उपस्थिति शुरू करना, धन का उपयोग आदि शामिल हैं। • संसद रत्न पुरस्कार भारत सरकार द्वारा नहीं दिया जाता है, हालांकि वर्षों से, इसके जूरी सदस्यों में सरकार से सम्बंधित व्यक्तियों को शामिल किया है।
अमेरिका के संचार शालीनता अधिनियम 1996 की धारा 230	**<u>प्रसंग</u>** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में एक मामले ने हाल ही में 1996 संचार शालीनता अधिनियम की धारा 230 को चुनौती दी। **<u>मुख्य विशेषताएं:</u>**

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

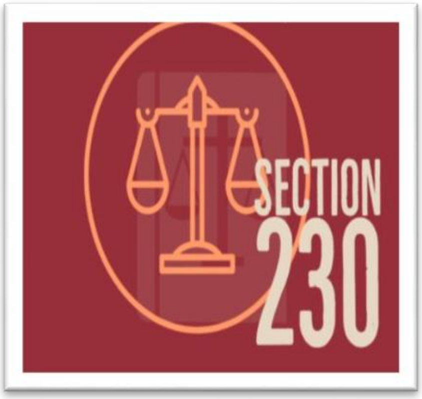

- गोंजालेज बनाम गूगल वह मामला है जिसमें पेरिस में एक आतंकवादी हमले में मारे गए एक व्यक्ति का परिवार गूगल पर मुकदमा कर रहा है।
- अदालत तय करेगी कि क्या वह व्यक्ति Google पर उसके एल्गोरिदम के माध्यम से चरमपंथी सामग्री को बढ़ावा देने के लिए मुकदमा कर सकता है या नहीं।

1996 संचार शालीनता अधिनियम की धारा 230 के बारे में:

- इस कानून ने दूरसंचार उद्योग के भाग्य को बदल दिया और तकनीकी दिग्गजों फेसबुक, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और ट्विटर इत्यादि को बढ़ने की पर्याप्त संभावनाए दी।
- अधिनियम 1996 में पारित किया गया था।
- यह इंटरनेट कंपनियों को उनकी वेबसाइटों पर साझा की जाने वाली सामग्री के लिए कानूनी प्रतिरक्षा प्रदान करता है।
- अधिनियम को सबसे पहले ऑनलाइन पोर्नोग्राफी को विनियमित करने के लिए पेश किया गया था।
- धारा 230 अधिनियम में एक संशोधन है, जो उपयोगकर्ताओं को उनकी टिप्पणियों और ऑनलाइन पोस्ट के लिए जिम्मेदार ठहराती है।
- इसके अलावा, अधिनियम के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सहित ऑनलाइन कंपनियां अपने उपयोगकर्ताओं द्वारा अपनी वेबसाइट पर साझा की गई सामग्री के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।
- इसलिए यदि कोई उपयोगकर्ता वेबसाइट पर कुछ अवैध पोस्ट करता है, तो कंपनी को मुकदमों से बचाया जाता है।

ला नीना

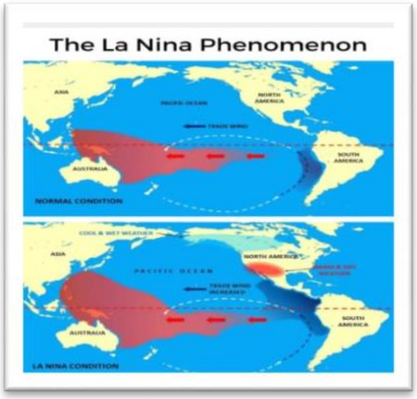

प्रसंग

विश्व स्तर पर, अब तक की सबसे मजबूत ला नीना घटना के संभावित अंत के कारण यह वर्ष व्यापक रूप से पिछले दो वर्षों की तुलना में थोड़ा गर्म होने की उम्मीद है, ।

ला नीना के बारे में:

- ला नीना, जिसका स्पेनिश में अर्थ "द गर्ल " होता है, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में सामान्य सतही जल की तुलना में ठंडे पानी को संदर्भित करता है।
- ला नीना ठंडे पानी की एक पट्टी है जो कभी-कभी दक्षिण अमेरिका के तट पर बनती है।
- ला नीना की स्थिति का पृथ्वी के वातावरण पर भी अस्थायी शीतलन प्रभाव

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

	पड़ता है। • ला नीना द्वारा प्रदान की गई वार्मिंग के खिलाफ कुशन अगले कुछ महीनों में जाने का अनुमान है, जिससे डर बढ़ गया है कि यह वर्ष नए वार्मिंग रिकॉर्ड स्थापित कर सकता है। • एल नीनो और ला नीना एल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) के विपरीत चरण हैं। • एल नीनो की घटनाएं आम तौर पर लगभग 12 महीने तक चलती हैं, जबकि ला नीना की घटनाएं दो साल तक चल सकती हैं।
राष्ट्रीय राजमार्ग में फॉस्फोर-जिप्सम का उपयोग	**प्रसंग** अपशिष्ट सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए, NHAI और उर्वरक विभाग पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना के निर्माण में फॉस्फोर-जिप्सम के उपयोग पर फील्ड परीक्षण करेंगे। **मुख्य विशेषताएं:** • फॉस्फोर-जिप्सम उर्वरक उत्पादन का उप-उत्पाद है। • भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) ने तीन साल की अवधि के लिए सड़क निर्माण के लिए बेअसर फास्फोर-जिप्सम अपशिष्ट सामग्री को मान्यता दी है। • राष्ट्रीय राजमार्ग पर फॉस्फोर-जिप्सम के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए उर्वरक कंपनियों और केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) को एनएचएआई परियोजना पर फील्ड परीक्षण करने के लिए कहा गया है। • एनएचएआई सड़क में बेकार प्लास्टिक के इस्तेमाल को भी प्रोत्साहित कर रहा है • निर्माण, जिसका पहले ही बहुत सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है। • एनएचएआई ने राजमार्गों और फ्लाईओवर तटबंधों के निर्माण के लिए 'फ्लाई ऐश' - थर्मल पावर प्लांट्स (टीपीपी) में कोयले के दहन के बारीक अवशेषों का उपयोग किया है। • एनएचएआई सर्कुलर इकॉनमी हासिल करने के लिए नई सामग्री के नए प्रयोग को प्रोत्साहित करता रहा है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare